"{ नीयत }

ए. एस. बलगीर
दिनांक: 4.7.88

मन के अंदरूनी भाव चाहे अच्छे हों या बुरे जब मनुष्य के बाहर निकलते हैं और हम दूसरों से किसी उद्देश्य से बात करते हैं तो वह उसकी नीयत कहलाती है । जो मनुष्य अपने दिमाग में कुछ सोचता है, कहता और करता है कुछ और है उसकी नीयत बुरी मानी जाती है । अच्छी नीयत वाले मनुष्य की कथनी और करनी में कुछ फर्क नहीं होता ।

हमारी नीयत बचपन में ही गन्दी हो सकती है क्योंकि बचपन में सीखे कुछ बुरे संस्कार सारी उम्र मनुष्य का पीछा करते हैं । जैसे जिसको झूठ बोलने की आदत पड़ गई वह सारी उम्र झूठ ही बोलता रहेगा । कई बार देखा गया है कि मनुष्य की आदत इतनी गन्दी बन जाती है कि उसे हर बात में झूठ बोलने की आदत पड़ जाती है और उसे यह महसूस भी नहीं होता ।

हमारे माता पिता, भाई-बहन, रिश्तेदार, दोस्त व शुभ चिंतक बचपन में बहुत सी बातें सिखाते हैं । अनजाने में उसमें कई अवगुण भी हो सकते हैं । प्यार में पड़कर हम सब कुछ सीख जाते हैं । कई बार बुरी संगत में पड़कर बुरी बात सीख जाते हैं जो बाद में संस्कार और बुरी नीयत के रूप में उभरते हैं । आप ने देखा होगा कि कोई भी मम्मी दूसरों के सामने अपने बच्चे को बुरा नहीं कहती चाहे वह कितना भी बुरा क्यों न बन गया हो । मम्मी को यह डर होता है कि कोई दूसरा मनुष्य उसके बच्चे के उसके सामने नुक्स निकाले । मगर सच्च तो यह है कि ऐसे परदे डालने से बुरा बच्चा कभी अच्छा नहीं बन सकता। वह और ज्यादा गलती करता है क्योंकि उसे पता चल गया होता है कि माँ भी उसकी गन्दी बात को दूसरे के सामने छुपा लेगी ।

बुरी नीयत वाले हमेशा अपने आप को ज्यादा चालाक, बुद्धिमान समझते हैं और वह किसी का लिहाज नहीं करते । उनके लिए झूठ बोलना, धोखा देना, छल कपट करना और ऊंचा-ऊंचा बोलना मामूली बातें होती हैं ।

अच्छी नीयत वाला कभी किसी को धोखा नहीं देता। पूछने पर सच्ची-सच्ची बात करता है । यदि गलती से भूल हो जाये तो सीधी-सीधी बात बता देता है ।

बुरी नीयत वाले छुप-छुप कर अपना काम करते हैं । वह कभी किसी का भला नहीं सोचते । वह अपने स्वार्थ को पाने के लिए हर गलत कार्य कर लेते हैं । बेशर्म, मूर्ख, कमजोर दिमाग वाले, कायर, धोखेबाज, चोर, डाकू, चरित्रहीन, झूठे, विश्वासघाती मनुष्य की नीयत हमेशा बुरी होती है । उन पर कोई विश्वास नहीं करता । उनकी गन्दी आदतों को उनके बच्चे भी सीख जाते हैं और बड़े होकर बुरी नीयत से सबके साथ धोखा, हेराफेरी करते हैं और समाज के लिए कलंक बन जाते हैं ।

शिक्षा :-

हमें अच्छी नीयत से हर बात और कार्य को सोचना, कहना, और करना चाहिए । बुरी नीयत किसी न किसी दिन पकड़ी जाती है और फल बुरा मिलता है ।